प्रथम पृष्ठ के शेष

कोरोनाः १.७ लाख करोड़ के स्पेशल पैकेज का ऐलान

यह अगले तीन महीने में दी जाएगी और इसका लाभ करीब 3 करोड़ लोगों को मिलेगा। वुमन सेल्फहेल्प ग्रुप के लिए 20 लाख तक लोन का ऐलान किया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत देश के करीब 8.3 करोड़ परिवारों को गैस सिलेंडर मिला है। अगले तीन महीने तक उन्हें मुफ्त में गैस सिलेंडर मिलता रहेगा। देश में जिन महिलाओं के नाम पर करीब 20 करोड़ जनधन खाते खुले हैं। उनके अकाउंट में अगले तीन महीने तक 500-500 रुपए दिए जाएंगे।जिन लोगों की सैलरी 15000 से कम है सरकार उनके एंप्लॉयर और एंप्लॉयी दोनों का हिस्सा (बेसिक सैलरी का 24 पर्सेंट) जमा करेगी। यह उन कंपनियों पर लागू होगा जहां 100 से कम एंप्लॉयी काम करते हैं सरकार ने म्ध्थ् के नियमों में ढील दी है। एंप्लॉयी अपने पीएफअकाउंट से 75 फीसदी तक की निकासी कर सकते हैं। हालांकि यह तीन महीने की सैलरी से कम होनी चाहिए। कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में काम करने वाले असंगठित मजदूरों के लिए भी सरकार ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि ऐसे लोग इसके लिए बनाए गए 31000 करोड़ रुपए के फंड का उचित इस्तेमाल कर सकेंगे।

दिहाड़ी मजदूरों का रोजगार ठप, दिल्ली से घर को चल रहे पैदल

यूपी-बिहार से आए नौजवान और बड़ी उम्र के भी ऐसे तमाम लोगों के सामने अब जिंदगी के साथ-साथ रोजगार का संकट पैदा हो गया है। ऐसे में उन्हें फिलहाल घर लौटना ही बेहतर लग रह है। सरकार के तमाम आश्वासनों के बावजूद न तो अपने मालिकों की तरफ से उन्हें कोई मदद मिल रही है और ना मकान मालिक या राशन देने वाले उन पर तरस खा रहे हैं। ऐसे में दिल्ली से अब बड़ी संख्या में लोगों का पलायन शुरू हो गया है और कोई साधन नहीं मिलने के बावजूद लोग पैदल ही अपने घरों के लिए निकल गए हैं। वैसे तो यह पलायन चार-पांच दिन पहले से ही शुरू हो गया था, लेकिन मंगलवार की रात जब प्रधानमंत्री ने पूरे देश में 21 दिनों के कंप्लीट लॉकडाउन की घोषणा की, तो उसके बाद इन लोगों की उम्मीद ही टूट गई। मंगलवार रात से ही बड़ी तादाद में लोग अपना बिस्तर बांधकर यूपी, बिहार, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में स्थित अपने घरों के लिए निकल पड़े। ऐसे लोगों का कहना था कि अगर यहां रहे, तो कोरोना से पहले भूख से मर जाएंगे। अभी निकलेंगे, तो कम से कम जिंदा अपने गांव तक तो पहुंच जाएंगे। जब हालात सुधर जाएंगे, तो वापस आ जाएंगे। ब्रह्मपुरी में जींस की एक फैक्ट्री में काम करने वाले ऐसे दर्जनों कारीगार मंगलवार रात जीटी रोड से गाजियाबाद की तरफ जाते दिखे। उनमें से एक गोपाल ने बताया कि मालिक ने फैक्ट्री पर ताला लगा दिया है। सबको घर जाने के लिए कह दिया है। पैसे मांगने पर मालिक ने कह दिया कि अभी तो उसकी ही आर्थिक हालत खराब है। वह अभी किसी को पैसे नहीं दे सकता। इसी वजह से अब उनके पास घर जाने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा है। केवल ब्रह्मपुरी ही नहीं, बल्कि सीलमपुर, जाफराबाद, मौजपुर, वेलकम, गांधी नगर, कैलाश नगर, भजनपुरा, झिलमिल और शास्त्री पार्क इलाके की ऐसी ही फैक्ट्रियों में काम करने वाले सैकड़ों अन्य मजदूरों का भी यही हाल है। कोरोना के संकट के साथ-साथ अब उनके सामने जीवनयापन का भी संकट पैदा हो गया है। गाजीपुर बॉर्डर पर मिले मोहित, अवधेश, धीरपाल, अरविंद और उनके साथियों ने बताया कि वह दक्षिणपुरी में रहते हैं और वहीं पर दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। दो-तीन दिन से उन्हें कोई काम नहीं मिल रहा है। उनका रहना मुश्किल हो रहा था। परिवहन के साधन बंद होने के बावजूद सभी पैदल यूपी के बदायूं जाने के लिए अपने घर से निकल पड़े थे। अवधेश ने बताया कि हमारे पास न पैसा है, न खाने-पीने को कुछ बचा है। ऊपर से मकान मालिक किराया मांग रहे हैं। जब हमें काम नहीं मिल रहा, तो हम किराया कहां से देंगे। इसीलिए अभी हम वापस गांव जा रहे हैं।

दिल्लीः २४ घंटे खुली रहेंगी दुकानें

लोगों से अपील है कि वह लॉकडाउन के दौरान सहयोग करे और घर में ही बने रहे। श्री केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में कोरोना के अबतक 36 मामले सामने आये है और जिसमें से 26 विदेश यात्रा से जुड़े हुए है। जो 10 अन्य मामले है वो विदेशों से आए लोगों के संपर्क में आने से जुड़े हुए है।श्री केजरीवाल ने कहा दिल्ली में हालात नियंत्रण में है और मेरी लोगों से पुरजोर अपील है कि वह लॉकडाउन के दौरान घर में बने रहे। तथा जरुरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकले नहीं तो कुछ लोगों की लापरवाही का खामियाजा सभी को भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घरों पर खाद्य पदार्थो की डिलिवरी करने वालों भी अनुमति दी जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित न हो इसके लिये ई- पास जारी किये जा रहे है। और 1031 नवम्बर पर व्हाट्सएप करने के बाद ई-पास जारी कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कर्मचारियों की लगातार स्वास्थ्य जांच की जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ने एसडीएम और एसीपी से कहा कि वह सुनिश्चित करे कि आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुले और ये भी सुनिश्चित करे की दुकानों में जरुरत का सामान भी उपलब्ध हो सके।

लॉकडाउन में आम लोगों तक जरुरी चीजें पहुंचें-आयुक्त

मण्डलीय कन्ट्रोलरूम का दूरभाष नम्बर- 0562-2226812

आगरा। कोविड-19 महामारी की रोकथाम एवं 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन के दृष्टिगत आवश्यक सुविधाओं को सुगम बनाये जाने हेतु शासन के निदेशार्नुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण सतर्कता के साथ अंजाम देते हुए आमजन को नियमानुसार सामग्री आदि उपलब्ध करायें, जिससे समस्याओं का सामना न करना पड़े। आयुक्त आगरा मण्डल, आगरा अनिल कुमार ने कार्यो की समीक्षा करते हुए अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य से मण्डल के जनपदों में स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बन्धित की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी यथा- स्टाफ नर्स, डॉक्टर, आइसोलेशन वार्ड एवं सेवा देने वालों को प्रशिक्षित किया जाना आदि प्राप्त की। पंजीकृत श्रमिकों को दी जाने वाली धनराशि व खाद्यान्न, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं उनकी कालाबाजारी रोकने के लिये की गई तैयारियों, जाब कार्ड धारक, मनरेगा श्रमिकों आदि के खातों में धनराशि प्रेषित किए जाने की स्थिति तथा खाद्यान्न आदि ससमय नियमानुसार उपलब्धता कराने की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त ने मण्डलीय कन्ट्रोलरूम संचालित करने के निर्देश दिए। कन्ट्रोलरूम का दूरभाष नम्बर- 0562-2226812 तथा अपर आयुक्त (प्रशासन) साहब सिंह को प्रभारी नामित किया है। उन्होंने ए0डी0 पशुपालन को सुअर पालकों, मुर्गी फार्मो एवं गौशालाओं में पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी स्वयंसेवी संस्था या दानदाता आमजन की सहायता करना चाहती हैं, उनका भी सहयोग लिया जाय। आयुक्त अनिल कुमार ने सभी सम्बन्धितों को निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार पत्राचार किया जाय, जिससे किसी प्रकार का कोई व्यवधान न आने पाये। साथ ही निर्धारित प्रारूप पर प्रतिदिन की गई व्यवस्थाओं की वांछित सूचना सुस्पष्ट सम्बन्धित को प्रेषित कर मुझे भी उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। आयुक्त ने लॉकडाउन के चलते जमाखोरी व कालाबाजारी पर सख्त नियंत्रण के साथ-साथ खाद्यान्न व अन्य आवश्यक वस्तुओं के दामों में प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। महामारी के फैलाव की अनिश्चित्ता को दृष्टिगत रखते हुये भविष्य की तैयारी के लिये नर्सिंग स्टॉफ की आवश्यकता के मद्देनजर नर्सिंग स्कूलों से भी सम्पर्क कर नर्सेज की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त कर ली जाय।

लॉकडाउन के दौरान गुरुवार को आटा, तेल, चीनी खत्म होने पर बाजारों में उमड़ी भीड़।

आटा 30 से 40, दाल 120, नमक 25, रिफायंड 130, चीनी 50 रुपए प्रति किलो बिकी, खरीदारी को मारामारी

बेलनगंज में आधा कि.मी. लम्बी लाइन

यमुनापार में थाने के पीछे झुग्गी-झौंपड़ी वाले पुलिस को फोन करते रहे, साहब आटा नहीं है क्या करें, समूचे शहर में अफरा-तफरी का माहौल

आगरा। लॉक डाउन के दूसरे दिन खाद्यान को लेकर शहरभर में अफरा-तफरी मच गई। भूख से व्याकुल लोग सडकों पर उतर आये। उन्हें खाने का सामान नहीं मिल रहा था। लोग अपने चिर-परिचित लोगों को मोबाइल से सम्पर्क का जानकारी लेते रहे, आटा कहां और किस दुकान पर मिल रहा है। हर किसी ने एक ही जबाव दिया भाईजान दुकानें बंद है। यहां न तो आटा है और न ही तेल, रिफायंड। हालात यह हैं कि नमक तक दुकानों से गायब हो चुका है। दुकानदार खाली हाथ बैठे हैं, उन्हें थोक कारोवारियों तक पुलिस जाने की अनुमति नहीं दे रही है। दुकानदारों का कहना है कि जब थोक कारोवारी के यहां जाने का समय नहीं दिया जायेगा तो माल कहां से आयेगा। जिला प्रशासन को चाहिये कि किसी भी समय दो घंटे का समय निर्धारित कर दिया जाये।

जिससे फुटकर दुकानदार माल की डिलीवरी करा लें वरना स्थिती बिगड जायेगी। लॉक डाउन के दो दिन में ही आटा, तेल, चीनी और नमक के लिये हा-हाकार मच गया। मध्यम एवं गरीब लोगों को दिन-रात आटा, तेल और सब्जी की चिंता सता रही है। राजामण्डी छोटा चैराहे के समीप गली में दुकानदार ने चीनी 50 रुपए किलो बेची, उक्त वस्तुओ की खरीदारी के लिये इधर से उधर मारामारी मची रही। सामान न मिलने पर दुकानदार ने जिस रेट में माल बेचा भूखे-प्यासे लोग उसी रेट में खरीद कर ले गये।

अफरा-तफरी में फंसे लोगो का कहना है कि आज जो कुछ मिल रहा है, खरीद लें, जिससे 4-6 दिन तो कट जायेंगे, यदि यह भी नहीं मिला तो बच्चों को क्या खिलाएंगे। यही कारण था कि कालाबाजारी करने पर भी लोग चुप रहे और कहीं किसी से शिकायत नहीं की, इसी का फायदा दुकानदार उठा रहे है। इस पर प्रशासन को सख्ती करनी चाहिये। जिससे कालाबाजारी पर अंकुश लगे वरना हालात नाजुक हो जायेंगे। बेलनगंज में सूरजभान फाटक स्थित दुकान पर क्षेत्रीय लोगों को दो मीटर की दूरी बनाये रखते हुये आटा, तेल के पैकेट बेचे गये, यहां महिलाएं सुबह से देर शाम तक लाइन में खडी रहीं, घंटो खडे रहने पर भी उन्हें आटा, तेल नहीं मिला, देर शाम माल खत्म हो गये। इससे वह माथा पीटती वापस घर चली गई। यहां उचित रेट पर आटा-तेल बेचा गया।

पचकुइयां पर दिहाड़ी मजदूर भूखे पेट बैठे

एक अधिवक्ता ने भोजन कराया

आगरा। लॉक डाउन से दिहाड़ी मजदूरों के सम्मुख भूखे पेट की समस्या गहरा गई है। गुरूवार को पचकुइंया शाहगंज रोड पर कई दिहाडी मजदूर भूखे पेट बैठे रहे। उनका कहना था कि बीते रोज उन्हें खाना नहीं मिला। इन गरीबों का कहना है कि उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हालात यह हैं कि वह किसी से मदद भी नही मांग सकते हैं। हर कोई खुद परेशान है तो दूसरों की मदद कौन करेगा। इसी दौरान यहां से गुजर रहे वकील राजेन्द्र कर्दम ने जब परेशान हाल लोगों को देखा तो वह खुद उनसे मिले और परेशानी जानी। जब उन्हें भूखे पेट की जानकारी मिली तो वह द्रवित हो गये, सभी को साथ ले गये। उन्होंने सभी को भोजन कराया। यह देख मजदूरों की आंखों में आंसू आ गये। शहर में न जाने कितने लोग ऐसे हैं, जिन्हें लॉक डाउन में भूखे पेट सोना पड रहा है। वह इधर उधर से मदद मांग रहे है।

दिहाड़ी मजदूर भूखे प्यासे आंसू बहाते।

सुबह पांच बजे दुकानों पर लगी भीड़

आगरा। यमुनापार में दो-तीन दुकानों पर आटा मिलने की सूचना पर काफी संख्या में भीड़ जमा हो गई। कटरा वजीर खां में रोड के सहारे एक दुकान पर 40-50 लोग खडे हुये थे, दुकान पर 6,30 बजे लोडिंग टेम्पो आया, लेबर ने आटा उतारा। यहां देखते ही देखते भीड पचास-पचास किलो के कट्टे ले गई। एक कट्टा 1500 रुपए में बेचा गया। काफी संख्या में महिलाएं भी आटा खरीदने पहुंची, उन्हें दस-पन्द्रह किलो आटा दिया गया, कुछ ही देर में स्टॉक खत्म हो गया, इससे कई महिलाएं मायूस हो वापस चली गई। वह लोगों से जानकारी करती रहीं कि कहीं आटा मिल रहा हो तो उन्हें बतायें। उन्हें आटा नहीं मिला। गुरूवार को हालात यह थे कि जिन लोगों पर पैसे थे, उन्होंने आटा स्टोर कर लिया। गरीब लोग आठ-दस किलो खरीदने वाले देखते रह गये। यही हाल सीतानगर में देखने को मिला। यहां क्षेत्रीय लोगों के अलावा ट्रांसयमुना निवासी आटा खरीदने पहुंचे, कटरा वजीर खां कुम्हारों वाली गली में एक प्रजापति की दुकान पर आटा, दाल, चाबल, चाय की पत्ती सहित अन्य सामान पर दस से बीस रुपए की ब्लैक मार्केटिंग की गई। सामान की किल्लत के कारण लोग मनमसोस कर सामान ले गये, दुकान पर अरहर की दाल 120 रुपए प्रति किलो बेची गई, चीनी 45 रुपए, नमक 25 से 30 रुपए प्रति पैकेट बेच गया, यही हाल फाउंड्री नगर स्थित एक किराना की दुकान पर बना रहा। जहां ब्लैक में खान-पान की वस्तुएं बेची गई। शहर की अन्य दुकानों का भी यही हाल है। जहां कम मात्रा में सामान बचा है। वहां ब्लैक माकैटिंग शुरू हो चुकी है। प्रशासन इस ओर कडा कदम उठाये और ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जो संकट की घड़ी में मुनाफाखोरी करने में जुटे हुये हैं।

डॉक्टर का बेटा पोजेटिव अमेरिका से आया था, हड़कम्प

बेटा सहित डॉक्टर और पत्नी एसएन के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती, तीस अन्य का कराया चैकअप

आगरा। वाइपास रोड स्थित कमला नगर में एक निजी हॉस्पीटल संचालक का बेटा पोजेटिव निकला है, वह चार-पांच दिन पूर्व अमेरिका से आगरा लौटा था। तीन दिन पूर्व उसकी तबियत बिगडी तो परिजनों ने एसएन के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया, एनआरई के सेम्पल जांच को भेजे। जब मालुम हुआ कि युवक पोजेटिव है तो नर्सिंग होम स्टाफ में हड़कम्प मच गया। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्टाफ की थर्मल स्क्रीनिंग की कराई। इनके सेम्पल जांच को भेज दिये। नर्सिंग होम में कई मरीज भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों का भी चैकअप कराया।

एसएन में तीस लोगों के सेम्पल लिये गये। अब स्वास्थ्य विभाग ने नर्सिंग होम में बीते तीन-चार दिनों के बीच आने वाले मरीजों सहित उनके तीमारदारो की जानकारी की है, हॉस्पीटल के रजिस्टर से उन्हें चिन्हित किया गया है। उन सभी की जानकारी जुटाई जा रही है। चार दिनों के बीच जितने भी लोग डॉक्टर और उनके परिवार के सम्पर्क में आये, उन सभी को चिन्हित किया गया है। जब आसपास के लोगों को इसकी जानकारी मिली तो क्षेत्र में हडकम्प मच गया।

हॉस्पीटल स्टाफ सहित यहां आने वाले मरीज, तीमारदार दहशत में है कि कहीं वह भी चपेट में तो नहीं आ गए।

लोड़िंग रिक्शा चालक मरीज को अस्पताल ले जाता।

पुलिस ने गली-मोहल्लो में दुकाने बंद करायी

आगरा। सोशल डिस्टेसिंग को लेकर लोग सजग नहीं है। गली-मोहल्लों में अलसुबह दुकानें खुलने पर हर ओर भीड़ नजर आती है। इस बीच पुलिस भी नदारद रहती है। सुबह दस बजे के बाद पुलिस सक्रिय होती है। अब लोगों ने सड़क पर निकलना तो बंद कर दिया है किन्तु गली-मोहल्ले के लोग नहीं मान रहे है। इसके लिये पुलिस को दौड लगानी पड रही है। गुरूवार को पुलिस दिन-भर गली-मोहल्लों की ओर दौडती रही, कुछ को समझाया, कुछ को सबक सिखाया फिर भी लोग सोशल डिस्टेसिंग का पालन नहीं कर रहे है, जो लोग इसकी गम्भीरता को समझ रहे हैं, वही लोग लॉक डाउन का लगातार

पालन कर रहे है। सुबह सात बजते ही गली-मोहल्लों के लोग बाहर आ जाते हैं, जो ग्रुंप बना कर बतियाते यह हैं। हांलाकि कई बस्तियों में वहां के दबंग लोगों ने अब अपने हाथों में कमान संभाली है। वह लोगों को अनावश्यक घरों से बाहर नहीं आने दे रहे हैं। हाथों मे डंडा लिये बस्ती में इधर से उधर घूमते हैं, जो भी फालतू में बाहर निकलते नजर आया, उसे डंडे से इशारा कर घर में जाने की हिदायत देते हैं।

लॉक डाउन से रसोई गैस की खपत बढ़ी

आगरा। लॉक डाउन के दौरान रसोई गैस की खपत बढ गई है। हर कोई घरों में बंद हैं, परिवार के लोग एक साथ समय बिता रहे हैं, इससे बार-बार खानपान की चीजें बनाई जाती है। दिन में बार-बार चाय,कॉफी के अलावा परिजनों की फरमाइस पर खाना तैयार किया जाता है। बुजुर्गो का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, बच्चे भी अपनी-अपनी फरमाइस करते हैं।

इससे गृहणियों का समय अधिकतर रसोई में ही गुजर रहा है। लॉक डाउन 21 दिनों का है। गैस का खर्च बढने पर सिलेण्डर जल्द खत्म हो सकता है, इसलिये समय से पूर्व सिलेण्डर की बुकिंग कराई जा रही है।

गृहणियों का कहना था उनका सिलेण्डर जो एक माह चलता था, अब उसके 20-22 दिन में ही खत्म होने की संभावना बनी हुई है, यही कारण है कि गैस की बुकिंग समय से पूर्व कराई जा रही है।

गली-मोहल्लों में लॉक डाउन के बाद हॉकरों का आना-जाना शुरू हो चुका है, पहले इन्हें इतनी जल्दी आते नहीं देखा गया है। रसोई गैस बुकिंग में तेजी से इजाफा हुआ है।

Nk=ksa dks fgr esa mBk;k dne

vkxjkA dkfoM&19 dh egkekjh ,oa mlds dkj.k mRiUu gbl vfuf"prrk ls Hkkjr dh fo|kFkh] Ldwy ,oa "kSf{kd laLFkku iHkkfor gq, gSA bl volj ij] Hkkjrh; VsLV fiij"ku laLFkku] vkdk"k ,tqdsa"kuy lfoll fyfeVsM ¼,bl,l,y½ us tkjh cpn dk fo|kfFkZ;ks dh v/;;u ij iMus okys iHkko dks de djus ds fy, vuqd mik; fd, gSA ;s mik; lqfuf"pr dj jgs gSa fd fo|kFkhZ viuh ?kj esa cSBdj v/;;u dj lds vkSj mudk v/;;u fujarj tkjh jgsA vkdk"k dh QsdYVh gekjs ykbo Vhfpax eksM;wy] vkdk"k ykbo ds ek/;e ls iqjs ns"k esa fo|kfFkZ;ksa ls tqMh gbl gSA

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की 10 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने निलामी के माध्यम से कुल ₹ 3703.00 करोड़ (अंकित मूल्य) राशि की प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारूप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन (ई-कुबेर) पर 30 मार्च, 2020 (सोमवार) को आयोजित की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर 26 मार्च, 2020 (गुरुवार) की प्रेस प्रकाशनी देखें।

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं"